



संदेश

प्रत्येक वर्ष 26 जून को “विश्व ड्रग दिवस” मनाया जाता है जिससे दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों को नशे की लत और उससे होने वाली मौतों से बचाया जा सके। हालांकि नशे के विरुद्ध हमारा युद्ध निरन्तर चलता रहा है, परन्तु 26 जून के दिन हम नशे के विरुद्ध युद्ध के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा करते हैं तथा आने वाले समय में इस समस्या के खिलाफ और सशक्त कदम उठाने के लिए अपने आपको प्रेरित करते हैं। साथ ही आम जनता, विशेषकर युवाओं में नशीली दवाओं के गंभीर प्रभावों के बारे में जागरुकता अभियान/कार्यक्रम भी सरकार के संबंधित विभागों द्वारा निरन्तर चलाए जाते हैं।

पिछले कुछ सालों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने मादक द्रव्यों की तस्करी एवं व्यापार को पूर्णतया नियंत्रित करने के लिए एक सुगठित नीति बनाई है और सभी एजेंसियों के बीच में समन्वय को सशक्त किया है। हमारा प्रयास है कि हम भारत में मादक पदार्थों का व्यापार नहीं होने देंगे। मादक पदार्थों के खिलाफ इस मुहिम में देश की सभी प्रमुख एजेंसियां विशेषकर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो निरन्तर प्रयासरत है।

इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों से यह अपील करता हूँ कि अपने आपको और अपने परिवार को ड्रग्स से दूर रखें। नशीले पदार्थों का दुरुपयोग न केवल समाज को खोखला बनाता है, अपितु नशीली दवाओं की तस्करी से अर्जित धन देश की सुरक्षा के खिलाफ प्रयोग में लाया जाता है।

अतः आपसे मेरा विनम्र आग्रह है कि नशे के विरुद्ध इस युद्ध में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, अपने आस-पास हो रहे नशे के व्यापार की जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को दें। मुझे विश्वास है कि सभी लोगों के सामूहिक प्रयास से नशे की समस्या को जड़ से मिटाया जा सकता है।

(अमित शाह)

श्री एस. एन. प्रधान, भा.पु.से.,
 महानिदेशक, एन.सी.बी.

“जीवन को हाँ और ड्रग्स को ना कहें”